



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2910]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 13, 2017/आश्विन 21, 1939

No. 2910]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 13, 2017/ASVINA 21, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 2017

सं. 33/2015-2020

विषय : विदेश व्यापार नीति 2015-20 में संशोधन के संबंध में :

का.आ. 3325(अ).—समय-समय पर यथा संशोधित विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 के पैरा 1.02 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा विदेश व्यापार नीति 2015-20 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

1. पैरा 4.14 को संशोधित किया जाता है जो निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :

“4.14 छूट प्राप्त शुल्कों का ब्यौरा

अग्रिम प्राधिकार पत्र के तहत आयातों को मूल सीमाशुल्क, अतिरिक्त सीमाशुल्क, शिक्षा उपकर, डम्पिंग रोधी शुल्क, सुरक्षोपाय शुल्क और पारगमन उत्पाद विशिष्ट सुरक्षोपाय शुल्क जहां भी लागू हो, के भुगतान से छूट प्राप्त है। विदेश व्यापार नीति के पैरा 7.02 (ग), (घ) और (छ) के अंतर्गत आपूर्तियों के मद्दे आयात को लागू डम्पिंग-रोधी शुल्क, प्रतिकारी शुल्क, सुरक्षोपाय शुल्क और पारगमन उत्पाद विशिष्ट सुरक्षोपाय शुल्क, यदि कोई हो, के भुगतान से छूट प्राप्त नहीं होगी। तथापि, वास्तविक निर्यात के लिए अग्रिम प्राधिकार पत्र के तहत आयात को भी राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में यथा प्रदत्त सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 की उपधारा (7) और उपधारा (9) के तहत लगाए जाने वाले क्रमशः संपूर्ण एकीकृत कर और क्षतिपूर्ति उपकर से छूट प्राप्त है, और ऐसे आयात पूर्व-आयात शर्त के अधीन होंगे।”

2. पैरा 5.01 (क) को संशोधित किया जाता है जो निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :

5.01 (क) ईपीसीजी स्कीम में शून्य सीमाशुल्क पर उत्पादन पूर्व, उत्पादन और उत्पादन-पश्च के लिए पूंजीगत माल के आयात की अनुमति दी गई है। वास्तविक निर्यात के लिए ईपीसीजी स्कीम के तहत आयातित पूंजीगत-माल को राजस्व विभाग के तहत जारी

अधिसूचना में यथा प्रदत्त सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 की क्रमशः उपधारा (7) और उपधारा (9) के तहत सम्पूर्ण एकीकृत कर और उस पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर से भी छूट प्राप्त है। वैकल्पिक रूप से प्राधिकार पत्र धारक विदेश व्यापार नीति के पैरा 5.07 के प्रावधानों के अनुसार स्वदेशी स्रोतों से पूंजीगत माल प्राप्त कर सकते हैं। ईपीसीजी स्कीम के प्रयोजन के लिए पूंजीगत माल में निम्नलिखित शामिल होंगे:—

- (i) सीकेडी/एसकेडी की शर्त सहित अध्याय 9 में यथा परिभाषित पूंजीगत माल;
- (ii) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर प्रणाली;
- (iii) प्रारंभिक सरेखन के लिए रिफ़ैक्ट्रीज; एवं
- (iv) प्रारंभिक प्रभार और बाद के प्रभार के लिए कैटेलिस्ट।”

3. पैरा 5.01 (ग) को संशोधित किया जाता है जो निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“5.01 (ग) ईपीसीजी स्कीम के तहत आयात प्राधिकार पत्र जारी होने की तिथि के बाद 6 वर्षों तक पूरा किए जाने वाले पूंजीगत माल पर लगाए गए शुल्क, कर और उपकर के 6 गुना के बराबर निर्यात दायित्व की शर्तों के अधीन किया जाएगा।”

4. पैरा 5.01 (ड) हटा दिया गया है।

5. पैरा 5.07 को संशोधित किया जाता है जो निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“5.07 स्वदेशी रूप से पूंजीगत माल प्राप्त करना और घरेलू आपूर्तिकर्ता को लाभ

ईपीसीजी प्राधिकार पत्र धारक व्यक्ति पूंजीगत वस्तुएं घरेलू विनिर्माता से प्राप्त कर सकता है। ऐसा घरेलू विनिर्माता विदेश व्यापार नीति और जैसाकि मान्य निर्यात की श्रेणी के तहत जीएसटी नियम के तहत उपलब्ध कराया गया है के पैरा 7.03 के तहत मान्य निर्यात लाभ पाने का पात्र होगा। ऐसी घरेलू प्राप्ति की ईओयू से भी अनुमति दी जाएगी और विदेश व्यापार नीति के पैरा 6.09 (क) में उल्लिखित उक्त ईओयू द्वारा सकारात्मक एनएफई को पूरा करने के उद्देश्य से इन आपूर्तियों को गिना जाएगा।

6. पैरा 6.01 (घ) को संशोधित किया जाता है जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:—

6.01 (घ) (i) निर्यात अभिमुख यूनिट/ईएचटीपी/एसटीबी/बीटीपी यूनिट, डीटीए अथवा डीटीए में बाण्डेड गोदामों/भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी उससे संबंधित गतिविधियों के लिए पूंजीगत माल सहित सभी प्रकार की वस्तुओं का आयात और/या खरीद कर सकती है बशर्ते कि ये नीचे पैरा (ii) और (iii) में दी गई शर्तों के तहत आईटीसी (एचएस) में आयात की निषिद्ध मदें न हो। किसी अन्य कानून के तहत आयात के लिए आवश्यक कोई अनुमति लागू होगी। यूनिटों को, ग्राहकों से ऋण/लीज पर पूंजीगत वस्तुओं सहित, मुफ्त में या स्वीकृति कार्यकलापों के लिए अपेक्षित वस्तुओं के आयात की भी अनुमति होगी। पूंजीगत माल का आयात स्वप्रमाणन आधार पर होगा। एकक द्वारा माल का आयात, निर्यात उत्पादन के उपयोग तथा वास्तविक प्रयोक्ता शर्तों के अधीन होगा।

(ii) डीटीए में बाण्डेड मालगोदाम से अथवा भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से आयात और/अथवा खरीद राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के तहत यथा प्रदत्त सीमा शुल्क और सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3(1), 3(3) और 3(5) के तहत लगाए जाने वाले अतिरिक्त सीमा शुल्क और धारा 3(7) और 3(9) के तहत लगाए जाने वाले एकीकृत कर और जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर के भुगतान के बिना होगी।

(iii) डीटीए से जीएसटी माल की खरीद लागू जीएसटी करों के भुगतान पर की जाएगी। निर्यातोन्मुख इकाइयाँ डीटीए से उत्पाद शुल्क लगाए जाने योग्य ऐसे माल लागू उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना खरीद सकती हैं जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की चौथी अनुसूची में आता हो। डीटीए से निर्यातोन्मुख इकाइयों को की जाने वाली आपूर्ति हेतु जीएसटी करों की वापसी आपूर्तिकर्ता को उपलब्ध होगी जैसाकि जीएसटी नियमावली के तहत प्रावधान किया गया है जो जीएसटी नियमावली के तहत यथा निर्दिष्ट शर्तों और दस्तावेजीकरण के अधीन हैं।

7. पैरा 6.01 (च) को संशोधित किया जाता है जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:—

6.01 (च) ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी इकाइयाँ राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के तहत यथा प्रदत्त सीमाशुल्क के भुगतान के बिना और सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3 (1), 3(3) और 3(5) के तहत लगाए जाने वाले अतिरिक्त सीमाशुल्क तथा धारा 3(7) और 3(9) के तहत लगाए जाने वाले एकीकृत कर और जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर के भुगतान के बिना और/अथवा डीटीए से जीएसटी और सेनवैट के तहत लागू

करों के भुगतान के साथ, जैसा भी मामला हो, केन्द्रीय सुविधा के सृजन हेतु कतिपय विनिर्दिष्ट माल का आयात कर सकती है। साफ्टवेयर ईओयू/डीटीए इकाइयाँ साफ्टवेयर के निर्यात के लिए ऐसी सुविधा का उपयोग कर सकती हैं।

8. पैरा 6.01(ट) को संशोधित किया गया है जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

6.01 (ट) अनुमोदन बोर्ड, मामला दर मामला आधार पर, रत्न एवं आभूषण से भिन्न क्षेत्रों में ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी बीटीपी यूनिटों के अनुरोध पर, विनिर्मित वस्तुओं से संबंधित माल को समेकित करने के लिए और विनिर्मित वस्तुओं के साथ उनके निर्यात के लिए अनुमति दे सकता है। ऐसे माल को शुल्क के भुगतान सहित या इसके बगैर जैसाकि ऊपर पैरा 6.01 (घ) (ii) और (iii) में प्रावधान किया गया है, जैसा भी मामला हो पिछले वित्तीय वर्ष में यूनिट द्वारा निर्यातित ऐसी विनिर्मित वस्तुओं के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 5 प्रतिशत की सीमा तक ईओयू द्वारा डीटीए से आयात/प्राप्त करने की अनुमति दी जा सकती है। ईओयू द्वारा प्राप्त/आयातित माल एवं विनिर्मित वस्तुओं का ब्यौरा निर्यात संबंधी दस्तावेजों में अलग से सूचीबद्ध किए जाएँगे। ऐसे मामलों में प्राप्त/आयातित माल के मूल्य को एनएफई और डीटीए बिक्री संबंधी हकदारी के परिकलन हेतु ध्यान में रखा जाएगा। ऐसे प्राप्त/आयातित माल को डीटीए में बिक्री हेतु अनुमत नहीं किया जाएगा। अनुमोदन बोर्ड अन्य शर्तें निर्दिष्ट कर सकता है।

9. पैरा 6.02 को संशोधित किया जाता है जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:—

6.02 राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के अंतर्गत प्रावधान के अनुसार पुरानी पूंजीगत वस्तुओं को बिना किसी मियाद के सीमाशुल्क के भुगतान के बगैर तथा सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3(1) और 3(3) और 3(5) के अंतर्गत लगाए जाने वाली अतिरिक्त सीमा शुल्क तथा धारा 3(7) और 3(9) के अंतर्गत लगाए जाने वाले एकीकृत कर और जीएसटी प्रतिपूर्ति उपकर का भुगतान किए बिना भी आयात किया जा सकता है।

इस अधिसूचना का प्रभाव:—

विदेश व्यापार नीति 2015-20 के विभिन्न प्रावधानों को संशोधित किया गया है ताकि अग्रिम प्राधिकार पत्र, ईपीसीजी और ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी स्कीमों हेतु कतिपय अतिरिक्त शुल्कों/करों/उपकरों की छूट प्रदान की जा सके।

[फा. सं. 01/94/180/201/एम 18/पीसी-4 (जीएसटी)]

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th October, 2017

No. 33/2015-2020

Subject: Amendment in Foreign Trade Policy 2015-20-reg

S.O. 3325(E).—In exercise of powers conferred by Section 5 of FT (D&R) Act, 1992, read with paragraph 1.02 of the Foreign Trade Policy, 2015-2020, as amended from time to time, the Central Government hereby makes following amendments in Foreign Trade Policy 2015-20.

1. Para 4.14 is amended to read as under:

“4.14 : Details of Duties exempted

Imports under Advance Authorisation are exempted from payment of Basic Customs Duty, Additional Customs Duty, Education Cess, Anti-dumping Duty, Countervailing Duty, Safeguard Duty, Transition Product Specific Safeguard Duty, wherever applicable. Import against supplies covered under paragraph 7.02 (c), (d) and (g) of FTP will not be exempted from payment of applicable Anti-dumping Duty, Countervailing Duty, Safeguard Duty and Transition Product Specific Safeguard Duty, if any. However, imports under Advance Authorization for physical exports are also exempt from whole of the integrated tax and Compensation Cess leviable under sub-section (7) and sub-section (9) respectively, of section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as may be provided in the notification issued by Department of Revenue, and such imports shall be subject to pre-import condition.”

2. Para 5.01 (a) is amended to read as under:

“5.01 (a) EPCG Scheme allows import of capital goods for pre-production, production and post-production at Zero customs duty. Capital goods imported under EPCG scheme for physical exports are also exempt from whole of the Integrated Tax and Compensation Cess leviable thereon under the sub-section (7) and subsection (9) respectively, of section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as may be provided in the notification issued under Department of Revenue. Alternatively, the Authorisation holder may also procure Capital Goods from indigenous sources in accordance with provisions of paragraph 5.07 of FTP. Capital goods for the purpose of the EPCG scheme shall include:

- i. Capital Goods as defined in Chapter 9 including in CKD/SKD condition thereof;
- ii. Computer software systems;
- iii. Spares, moulds, dies, jigs, fixtures, tools & refractories for initial lining and spare refractories; and
- iv. Catalysts for initial charge plus one subsequent charge.”

3. Para 5.01(c) is amended to read as under:

“5.01(c) Import under EPCG Scheme shall be subject to an export obligation equivalent to 6 times of duties, taxes and cess saved on capital goods, to be fulfilled in 6 years reckoned from date of issue of Authorisation.”

4. Para 5.01(e) stands deleted.**5. Para 5.07 is amended to read as under:****“5.07 Indigenous Sourcing of Capital Goods and benefits to Domestic Supplier**

A person holding an EPCG authorisation may source capital goods from a domestic manufacturer. Such domestic manufacturer shall be eligible for deemed export benefit under paragraph 7.03 of FTP and as may be provided under GST Rules under the category of Deemed Exports. Such domestic sourcing shall also be permitted from EOUs and these supplies shall be counted for purpose of fulfilment of positive NFE by said EOU as provided in Para 6.09 (a) of FTP.”

6. Para 6.01(d) is amended to read as under:

“6.01(d) (i) An EOU/EHTP/STP/BTP unit may import and/or procure, from DTA or bonded warehouses in DTA / international exhibition held in India, all types of goods, including capital goods, required for its activities, provided they are not prohibited items of import in the ITC (HS) subject to conditions given at para (ii) & (iii) below. Any permission required for import under any other law shall be applicable. Units shall also be permitted to import goods including capital goods required for approved activity, free of cost or on loan/ lease from clients. Import of capital goods will be on a self-certification basis. Goods imported by a unit shall be with actual user condition and shall be utilized for export production.

(ii) The imports and/or procurement from bonded warehouse in DTA or from international exhibition held in India shall be without payment of customs duty as provided under First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 and additional duty of Customs leviable under Section 3(1), 3(3) and 3(5) and without payment of Integrated Tax and GST Compensation Cess leviable under section 3(7) and 3(9) of the Customs Tariff Act, 1975 as per notification issued by the Department of Revenue

(iii) The procurement of GST goods from DTA would be on payment of applicable GST taxes. The EOUs can procure excisable goods, falling in Fourth Schedule of Central Excise Act, from DTA without payment of applicable excise duty. The refund of GST taxes for supply from DTA to EOU would be available to supplier as provided under GST rules subject to such conditions and documentations as specified there in under GST rules.”

7. Para 6.01(f) is amended to read as under:

“6.01(f) EOU/EHTP/STP/BTP units may import without payment of customs duty as provided under First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 and additional duty of Customs leviable under Section 3(1), 3(3) and 3(5) and without payment of Integrated Tax and GST Compensation Cess leviable under section 3(7) and 3(9) of the Customs Tariff Act, 1975 as per notification issued by the Department of Revenue and/or procure from DTA, with payment of applicable taxes under GST and/or Cenvat, as the case may be, certain specified goods for creating a central facility. Software EOU/DTA units may use such facility for export of software.”

8. Para 6.01(k) is amended to read as under:

“6.01(k) BOA may allow, on a case to case basis, requests of EOU / EHTP / STP/ BTP units in sectors other than Gems & Jewellery, for consolidation of goods related to manufactured articles and export thereof along with manufactured article. Such goods may be allowed to be imported / procured from DTA by EOU with or without payment of duty as provided at Para 6.01 (d) (ii) and (iii) above, as the case may be, to the extent of 5% FOB value of such manufactured articles exported by the unit in preceding financial year. Details of procured/imported goods and articles manufactured by the EOU will be listed separately in the export documents. In such cases, value of procured/imported goods will not be taken into account for calculation of NFE and DTA sale entitlement. Such procured/imported goods shall not be allowed to be sold in DTA. BOA may also specify any other conditions.”

9. Para 6.02 is amended to read as under:

“6.02 Second hand capital goods, without any age limit, may also be imported without payment of customs duty as provided under First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 and additional duty of Customs leviable under Section 3(1), 3(3) and 3(5) and without payment of Integrated Tax and GST Compensation Cess leviable under section 3(7) and 3(9) of the Customs Tariff Act, 1975 as per notification issued by the Department of Revenue.”

Effect of this Notification: Various provisions of Foreign Trade Policy 2015-20 is amended to enable certain additional duties/taxes/cess exemptions for Advance authorisations, EPCG Authorisations and units under EOU/EHTP/STP/BTP Scheme.

[F. No. 01/94/180/201/AM 18/PC-4 (GST)]

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade